ध्येय पथ

सत्रः– 2025–26

अगस्त माह

सम्पादक–

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
श्रीमती विभा सिंह
श्री हरिकेश यादव

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत

01 अगस्त को महाविद्यालय में लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस के अवसर पर छात्रसंघ द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने नवांगतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की परिसर संस्कृति, शैक्षिक वातावरण और महाविद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न आयोजनों/समारोह के विषय में बताया साथ ही हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

विद्यालयी इंटर्नशिप (बी0एड्0 विभाग)

01 अगस्त को बी0एड्0 विभाग के द्वारा बी0एड्0 तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं का महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में इंटर्नशिप कार्यक्रम आरम्भ हुआ। इस अवसर पर बी0एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएँ दी। इंटर्नशिप में पर्यवेक्षक के रूप में बी0एड्0 विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित रही।

विश्व स्तनपान सप्ताह (प्रथम दिन)

01 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के अन्तर्गत "Prioritisc Breastfeeding Create Sustainable Suppost Systems" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ0 आरती सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

02 अगस्त को रसायन शास्त्र विभाग के तत्वावधान में भारत के महान वैज्ञानिक 'आचार्य प्रफुल्ल चंन्द्र राय जयंती' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भैतिक विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 शिवकुमार बरनवाल ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह (दूसरा दिन)

02 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'विश्व स्तनपान' सप्ताह के दूसरे दिन "Prioritisc Breastfeeding Create Sustainable Suppost Systems"विषय पर 'स्लोगन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तनु विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रेनू को द्वितीय स्थान तथा बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नेहा सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 अवन्तिका पाठक ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह (तीसरा दिन)

03 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में विश्व स्तनपान सप्ताह के अन्तर्गत "Prioritisc Breastfeeding Create Sustainable Suppost Systems" विषय पर विज्ञान द्वारा अभिग्रहीत ग्राम नौका टोला में ग्राम दर्शन के अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग कि सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह (चौथा दिन)

04 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के चौथे दिन एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंकिता सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बी0ए0 पंचम् सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री अंकिता एवं सुश्री रूकमणी को क्रमशः द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह (पाँचवा दिन)

05 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के पांचवे दिन एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सोनम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री कामिनी एवं सुश्री प्रियंका को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अवंतिका पाठक ने किया।

साप्ताहिक विश्व स्तनपान सप्ताह (छठवां दिन)

06 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा साप्ताहिक विश्व स्तनपान दिवस के छठवें दिन एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुंश्री प्रियंका को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री खुशी चौरसिया एवं खुशी यादव को क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य डॉ0 सुश्री अवंतिक पाठक ने किया।

साप्ताहिक विश्व स्तनपान सप्ताह (समापन समारोह)

07 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में साप्ताहिक 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के समापन के अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 शिवकुमार बरनवाल ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को संबोधित किया तत्पश्चात् विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि–

07 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि' के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य **डॉ0 अर्चना गुप्ता** ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया एवं उनकी स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रृद्धांजलि अर्पित की।

भारत छोड़ो आन्दोलन स्मृति दिवस

08 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'भारत छोड़ो आन्दोलन स्मृति दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी0एस–सी0 तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री विक्रान्त सिंह नें अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए भारत छोड़ो आन्दोलन के उद्‌देश्यों और परिणाम पर प्रकाश डाला।

राखी प्रदर्शनी–

08 अगस्त को वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन विभाग के तत्वावधान में 'राखी प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा स्व–निर्मित राखी को कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला ने किया।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता–

08 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'राखी मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं के समूह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं के समूह को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्राओं के समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

भाषण प्रतियोगिता–

08 अगस्त को बी0एड्0 विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल, धूसड़ गोरखपुर में 'भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस' के अवसर पर कक्षा 06, 07, एवं 08 में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 06 की सुश्री रिमझिम पाण्डेय ने प्रथम स्थान, सुश्री रंजना निषाद ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री गुंनी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में कक्षा 07 की सुश्री सृष्टि ने प्रथम स्थान, सुश्री गुनगुन ने द्वितीय स्थान तथा श्री अजीत चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी कढी में कक्षा 08 की सुश्री सोनाक्षी कुमारी ने प्रथम स्थान, श्री आर्यन गुप्ता ने द्वितीय स्थान और श्री सूरज निषाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अमर शहीद बंधू सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'अमर शहीद बंधू सिंह बलिदान दिवस' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया एवं अमर शहीद बंधू सिंह जी के स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रृद्धा सुमन आर्पित किया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता

12 अगस्त को बी0एड्0 विभाग द्वारा इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी0एड्0 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा 'अमर शहीद बंधू सिंह बलिदान दिवस' के अवसर पर 'मोबाइल का उपयोग और दुरूपयोग' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा 06, 07 और 08 के चयनित विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में पक्ष से श्री अंश निषाद तथा विपक्ष से सुश्री सृष्टि भारती को प्रथम स्थान, पक्ष के श्री शिवम प्रजापति तथा विपक्ष से श्री मधु शर्मा को द्वितीय स्थान और पक्ष से ही श्री आर्यन और विपक्ष से सुश्री प्रतिभा चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

घर घर तिरंगा रैली

12 अगस्त को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में घर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया। रोवर्स/रेंजर्स के प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया। रैली में रोवर्स/रेंजर्स के समस्त स्वयंसेवक और स्वयं सेविकाएं उपस्थित रही।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

13 अगस्त को प्रार्थना सभा में नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत 'शपथ ग्रहण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 अर्चना गुप्ता ने प्रार्थना सभा में उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को शपथ दिलाया।

हर घर तिरंगा रैली

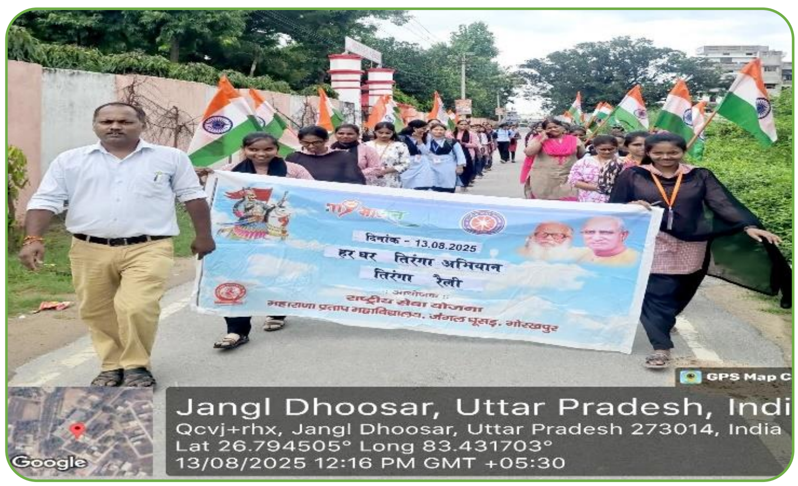

13 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'हर घर तिरंगा अभियान' के अन्तर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवक और स्वयं सेविकाएं उपस्थित रही।

भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम

14 अगस्त को भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर 'विभाजन विशीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर 'भारत विभाजनः नियति, नेता और परिणाम' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी संस्थान लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष **प्रो0 सदानन्द प्रसाद गुप्त** ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ0 आरती सिंह ने किया।

हर घर तिरंगा रैली

14 अगस्त को 'हर घर तिरंगा अभियान' के अन्तर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर के तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय से निकलकर मंझरिया, हसनगंज, छोटी रेतवहिया, बड़ी रेतवहिया और हैदरगंज होते हुये महाविद्यालय पहुँची। इस कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स ने तिरंगे के साथ सेल्फी ली। इस कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया। कार्यक्रम में सभी कैडेट्स सम्मिलित रहे।

79 वां स्वतंत्रता दिवस–

15 अगस्त को महाविद्यालय में '79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह' हर्सोल्लास पूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् महाविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग एवं छात्रसंघ द्वारा आयोजित भव्य समारोह किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव तथा छात्रसंघ प्रभारी डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल सहित छात्रसंघ पदाधिकारियों नें अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती की गई।

प्राचार्य शिक्षक बैठक

15 अगस्त को प्राचार्य शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने पठन–पाठन, अनुशासन, प्रवेश एवं छात्रसंघ चुनाव के रणनीतिक योजना पर प्रकाश डालते हुए आनलाइन माध्यम से छात्रसंघ चुनाव की पूर्णता पर चर्चा किया। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

18 अगस्त को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा 'भारतीय योग परम्परा में भगवद्गीता का अवदान' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य के रूप में पं0 दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष (से.नि.) तथा योगिराज बाबा गंभीरनाथ चेयर के चेयर प्रोफेसर **प्रो0 द्वारिका नाथ** ने अपना उद्बोधन प्रस्ततु किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथि स्वागत डॉ0 सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला (उद्घाटन समारोह)

महाविद्यालय के संस्थापक परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला इस वर्ष 20 से 26 अगस्त तक आयोजित हुई। इस सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आयुष एन.टी.ई.पी. कोलैबोरेशन तकनीकी समूह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य **प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर** ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का द्वितीय दिवस

21 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन **'भारतीय ज्ञान परम्परा में रणनीतिक संस्कृति'** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य **प्रो. हर्षकुमार सिन्हा** ने अपना उद्‌बोधन प्रस्ततु किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का तृतीय दिवस

22 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन **'उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश'** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद, भारत सरकार के सदस्य प्रो. के.वी.राजू ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का चतुर्थ दिवस

23 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन **'भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश डॉ0 अश्विन कुमार मिश्रा ने अपना सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अर्चना गुप्ता ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का पंचम दिवस

24 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पांचवे दिन "All the Glitters is Definitely not Gold in Indian Rasasastra" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आई.आई.टी.–बी., एच. यू. वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रसायनशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. वी. रामानाथन ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लाइफ एवं हेल्थ साइंस विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष त्रिपाठी ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का षष्ठम दिवस

25 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठवें दिन 'भारतीय ज्ञान परम्परा में योग' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भटवली पी.जी. कालेज, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अवन्तिका पाठक ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का समारोप कार्यक्रम

26 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेधनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के समारोप समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में महाप्रबंधक (से.नि.) पूर्वोत्तर रेलवे, भारत सरकार श्री रणविजय सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री हरिकेश यादव ने किया।

रानी पद्मिनी जौहर दिवस

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'रानी पद्मिनी जौहर दिवस' पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन के सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया एवं महाविद्यालय परिवार की ओर से रानी पद्मिनी सहित जौहर करने वाली 16 हजार वीर राजपूत क्षत्राणियों को हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कक्षा प्रतिनिधियों का चयन एवं प्रत्याशी नामांकन

छात्रसंघ का चुनाव इस वर्ष 02 दिन में सम्पन्न हुआ। 29 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव के प्रथम चरण के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। महाविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत कुल 25 विषयों के 67 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 02, उपाध्यक्ष पद पर 03, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 03 कक्षा प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव योग्यता भाषण

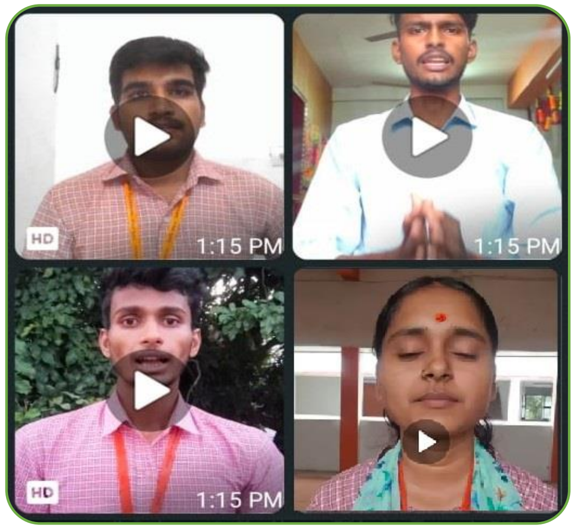

30 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव में नामांकित प्रत्याशियों द्वारा 05 मिनट के एक विडियों क्लिप के माध्यम से योग्यता भाषण का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए श्री प्रियांश शर्मा एवं श्री अभिनव सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए श्री प्रियांश शर्मा एवं श्री अभिनव सिंह, श्री आशीष कुशवाहा एवं श्री मनीष कुमार, महामंत्री पद के लिए श्री विक्रांत सिंह एवं श्री ऋतुराज सिंह तथा पुस्तकालय मंत्री पद के लिए सुश्री अंशिका सिंह एवं सुश्री रूबी सिंह ने विडियों क्लिप के माध्यम से विद्यार्थी वाट्सएप ग्रुप पर अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव मतदान

30 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर पर सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री अभिनव सिंह, उपाध्यक्ष पद पर श्री अभिषेक मिश्रा, महामंत्री पद पर श्री विक्रान्त सिंह और पुस्तकालय मंत्री पद सुश्री अंशिका सिंह विजयी घोषित हुयीं। निर्वाचन अधिकारी डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल ने विजित प्रत्याशियों को शुभकामनाऐं दी।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, शुक्रवार, 15 अगस्त 2025
04
अपना गोरखपुर

एमपीपीजी कॉलेज में 'भारत विभाजनः नियति, नेता व परिणाम' विषय पर व्याख्यान में बोले उप्र हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी निदेशक

देश का विभाजन कभी न भूलने वाला दर्द : प्रो. सदानंद

विभाजन की विभीषिका

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी निदेशक प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि भारत के विभाजन की त्रासदी देश के इतिहास की सबसे क्रूर और रक्तरंजित त्रासदी है। यह विभाजन अंग्रेजी शासन की सोची समझी रणनीति का हिस्सा थी। विभाजन की विभीषिका भारत के लिए कभी न भुलाए जाने वाला दर्द है। इस दर्द से आज भी सवक लेने की जरूरत है, क्योंकि देश में विघटनकारी शक्तियां आज भी सक्रिय हैं।

प्रो. गुप्त गुरुवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज़) जंगल धूसड़ में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर 'भारत विभाजनः नियति, नेता और परिणाम' विषय पर आयोजित व्याख्यान में वतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। कहा कि जव हम विभाजन को नियति कहते हैं तो इसका तात्पर्य यह है कि यह एक ऐसी घटना थी जो अनेक परिस्थितियों, संघर्षों और ऐतिहासिक प्रक्रियाओं का परिणाम थी। ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने फूट डालो और राज करो की नीति से समाज में दरारें डालीं। संयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह संचालन छात्र विक्रांत सिंह ने किया।

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयाजित कार्यक्रम को संबाधित करते अतिथि।

विभाजन इतिहास की बड़ी त्रासदी : डॉ. प्रदीप

अध्यक्षता करते हुए एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इतिहास की गलतियां दोहराना भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। भारत विभाजन केवल एक राजनीतिक घटना नहीं थी, यह हमारे इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी थी। यह ऐसा दर्द है, जिसकी पीड़ा आज भी अनेक परिवारों की स्मृतियों में जीवित है।

तार-तार हुई सभ्यता, घर-बार भागे लोग

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। डीडीयू के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में एनएसएस की ओर से गुरुवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इसके तहत 1947 के भारत विभाजन के दौरान घटित मानवीय त्रासदी, विस्थापन और पीड़ा को स्मरण करना तथा नई पीढ़ी को इस ऐतिहासिक घटना के सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय पहलुओं को बताया गया। त्रासदी पर फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में विभाजन के प्रत्यक्षदर्शियों

विभाजन विभीषिका दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

के अनुभव भी साझा किए गए। चैत राम पाहूजा, जो विभाजन के समय गांव दौड़ला, तहसील पन्ना हखील, जिला साखर, कराची के निवासी थे। उन्होंने बताया कि जिन्ना और जवाहर की जिद पर हमारी सभ्यता तार-तार हो गई थी। विशिष्ट अतिथि अंजना राजपाल रहीं। धन्यवाद कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के समन्वयक डॉ. रामवन्त गुप्ता ने प्रस्तुत किया। डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. नूपुर सिंह, डॉ. सरोज चौहान, डॉ. स्मृति मल्ल व अन्य मौजूद रहे।

बौद्ध संग्रहालय में पर विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि पुष्पदंत जैन।

बंटवारे की पीड़ा बयां कर प्रदर्शनी संग दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर, निज संवाददाता। विभाजन की पीड़ा और स्वतंत्रता की कीमत को याद करते हुए गुरुवार को राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर विशेष प्रदर्शनी व मौन श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में विभाजन काल के दुर्लभ ऐतिहासिक अभिलेख, छायाचित्र, समाचार पत्रों की कतरनें, मानचित्र व दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुष्पदंत जैन ने कहा कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक सीमाओं का नहीं, बल्कि असंख्य परिवारों के जीवन, अस्तित्व और यादों का विछोह था।

विशिष्ट अतिथि प्रधानाचा[र्य] आचार्य नरेंद्र देव इंटरमीडिएट कॉलेज लहसड़ी-गोरखपुर राम मनोहर त्रिपा[ठी] ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय के उप निदेश[क] यशवंत सिंह राठौर ने किया। ब[ड़ी] संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी क[ा] अवलोकन किया।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, मंगलवार, 19 अगस्त 2025
04

एमपी पीजी जंगल धूसड़

28 हजार से अधिक को दी मुफ्त चिकित्सा

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ प्रबंधन शिक्षा के साथ ही सेवा कार्यों में सक्रिय है। प्रबंधन की तरफ से गांवों को गोद लिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न स्वास्थ्य शिविर के जरिए 28 हजार से अधिक को फ्री चिकित्सा दी जा चुकी है। बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह के नेतृत्व में मिशन मंझरिया विशेष रूप से चर्चित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से शुरू हुए इस अभियान में अब तक 28 हजार से अधिक ग्रामीणों को निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की राह दिखाई गई। इसके साथ ही वाणिज्य विभाग के नंदन शर्मा, सिद्धार्थ शुक्ल, वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव व डॉ. अखिलेश गुप्ता के साथ अन्य विभाग के शिक्षक गांव में सेवा कार्य कर रहे हैं।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025 08

महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में महाराणा प्रताप महाविद्यालय में व्याख्यानमाला का हुआ शुभारंभ

विश्व को समग्र दृष्टिकोण सिखा रही है भारतीय ज्ञान परम्परा

- आयुष-एनटीईपी कोलैबोरेशन तकनीकी समूह के सदस्य प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने रखे विचार
- महंत अवेद्यनाथ का जीवन साधना, सेवा और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम था: डॉ. प्रदीप राव

आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। भारतीय संस्कृति ने विज्ञान, गणित, खगोल, चिकित्सा, आयुर्वेद, योग और दर्शन जैसे अनेक क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान दिया है। मनीषियों ने गहन चिंतन और अनुसंधान से वैश्विक स्तर पर विज्ञान और ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया। ऋग्वेद, आयुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद चारों वेदों में प्राकृतिक विज्ञान, चिकित्सा और गणित के सिद्धांतों का वर्णन मिलता है। उपनिषद जो वेदों के ही हिस्से हैं, भारतीय दर्शन का केंद्र बिंदु माने जाते हैं। सदियों से भारतीय ज्ञान परम्परा विश्व को जीवन का समग्र दृष्टिकोण दिखा रही है।

यह कहना है आयुष-एनटीईपी. कोलैबोरेशन तकनीकी समूह के सदस्य प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर का। वह बुधवार को जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। प्रो. तोमर ने समारोह के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ मां सरस्वती,

एमपीपीजी कॉलेज में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला को सम्बोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव साथ में विश्व आयुर्वेद मिशन के प्रमुख डॉ. जीएस तोमर।

मां भारती और महंत अवेद्यनाथ जी के चित्रों पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर व्याख्यानमाला का शुभारंभ किया।

साधना, सेवा व राष्ट्रभक्ति का संगम था महंत अवेद्यनाथ का जीवन : डॉ. प्रदीप रावः प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ का जीवन साधना, सेवा और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम था। उन्होंने कम आयु में ही अध्यात्म और समाज सेवा के पथ पर अपने कदम ब- दिए। उन्होंने कहा कि महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का व्यक्तित्व कठोर साधना, अनुशासन और स्पष्टवादिता से परिपूर्ण था। उनका मानना था कि सच्चा संत वही है, जो अपने व्यक्तिगत जीवन को संयम, त्याग और सेवा का उदाहरण बनाए। भारत को भारतवर्ष बनाने के लिए जिस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था की परिकल्पना से सन् 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना हुई। यह महाविद्यालय अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए प्रतिवर्ष यह व्याख्यानमाला नियोजित रुप से आयोजित करता रहा है। संचालन बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने किया। मौके प र महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

'भारतीय ज्ञान परम्परा के ध्वज वाहक थे प्रो. राम हर्ष'

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित फार्मेसी कॉलेज में पद्मश्री प्रोफेसर राम हर्ष सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। आरोग्य भारती एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुए इस व्याख्यान का विषय रहा भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जीएस तोमर मौजूद रहे। डॉ तोमर ने वेदों को सृष्टि के उत्पति काल से ही ज्ञान का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि अथर्ववेद का उपांग होने के नाते आयुर्वेद की प्राचीनता स्वत: प्रमाणित है। डॉ तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा विधा ही नहीं सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। इसकी गुणवत्ता पूर्ण औषधियां प्रभावी एवं निरापद है। कहा कि पद्मश्री प्रो. राम हर्ष सिंह ने आयुर्वेद के वैज्ञानिक स्वरूप को विश्व के कोने कोने तक पहुंचाया। कार्यक्रम के अन्त में जुही तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 21 अगस्त, 2025

विश्व को समग्र दृष्टिकोण दिखा रही भारतीय ज्ञान परंपरा

एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव • सौ. स्वयं

- एमपी पीजी कालेज जंगल धूसड़ में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ
- संस्कार आधारित शिक्षा ही है जीवन मूल्यों का आधार : डा. प्रदीप राव
- राष्ट्र, समाज व भारतीय संस्कृति पर विद्वतजनों ने किया गहन विमर्श

गोरखपुर : आयुष एनटीईपी कोलैबोरेशन तकनीकी समूह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सदस्य प्रो. गिरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता में सदियों से विज्ञान, गणित, खगोल, चिकित्सा, आयुर्वेद, योग और दर्शन जैसे अनेक क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान दिया है। भारतीय मनीषियों ने अपने गहन चिंतन और अनुसंधान से न केवल अपने देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी विज्ञान और ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया। ऋग्वेद, आयुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद चारों वेदों में प्राकृतिक विज्ञान, चिकित्सा और गणित के सिद्धांतों का वर्णन मिलता है। उपनिषद जो वेदों के ही हिस्से हैं, भारतीय दर्शन का केंद्र बिंदु माने जाते हैं। सदियों से भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व को जीवन का समग्र दृष्टिकोण दिखा रही है।

प्रो. तोमर बुधवार को एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्ञान वह सूचना, तथ्य, समझ और अनुभव है, जिसे व्यक्ति द्वारा सीखा, अर्जित या समझा जाता है। यह किसी विशेष विषय या वस्तु के बारे में गहन जानकारी और समझ का परिणाम होता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि आज हम सब एक ऐसे महामानव के स्मरण में एकत्र हुए हैं, जिनका जीवन साधना, सेवा और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम था। महंत अवेद्यनाथ महाराज कम आयु में ही अध्यात्म और समाज सेवा के पथ पर अपने कदम बढ़ा दिए। वे गोरखनाथ मठ की उस गौरवशाली परंपरा से जुड़े, जिसकी जड़ें महायोगी गोरखनाथ जी तक पहुंचती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह महाविद्यालय अपने स्थापना काल से प्रत्येक वर्ष व्याख्यानमाला आयोजित करता रहा है। इसके माध्यम से हम सभी को गोरक्षपीठ की यशस्वी परंपरा को स्मरण करते हुए अपने दायित्वों का भी स्मरण कराते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कार रोपित करना है। हम अपने संस्थापकों के उद्देश्यों व लक्ष्यों के साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए भारत की सनातन संस्कृति का निर्वाहन कर विद्यार्थियों में संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ आदर्श व्यक्तित्व का विकास करा सकते हैं। संचालन बीएड विभाग की अध्यक्ष शिव सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। (विज्ञप्ति)।

गोरखपुर, 22 अगस्त, 2025 दैनिक जागरण III

नीतिशास्त्र पर आधारित है भारतीय रणनीतिक संस्कृति

व्याख्यानमाला

एमपी पीजी जंगल धूसड़ में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन मंचासीन (बाएं से) विवेक विश्वकर्मा, प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा व डा. विजय चौधरी • सौ. स्वयं

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि रणनीतिक संस्कृति का तात्पर्य केवल युद्धकला या शक्ति-प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्र की नीति, धर्म, मूल्य और व्यवहार की वह परंपरा है। यह उसके सामरिक, राजनयिक और सांस्कृतिक निर्णयों को दिशा देती है। भारत की ज्ञान परंपरा में यह रणनीतिक दृष्टि सदैव धर्म, नीति और लोककल्याण पर आधारित रही है।

प्रो. सिन्हा गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कालेज) जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ महाराज की पावन स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन 'भारतीय ज्ञान परंपरा में रणनीतिक संस्कृति' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि हम वेद और उपनिषद को देखें तो वो हमें बताते हैं कि वास्तविक विजय केवल शस्त्र से नहीं, बल्कि आत्मबल और संयम से होती है। अलग-अलग कालखंडों में रणनीतिक संस्कृति विभिन्न रूपों में देखी गई है। रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने धर्म और नीति पर आधारित रणनीति से आदर्श स्थापित किया। महाभारत में श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि कभी-कभी धर्म की रक्षा के लिए रणनीतिक लचीलापन आवश्यक होता है। इसी प्रकार आचार्य चाणक्य का अर्थशास्त्र भारतीय रणनीतिक संस्कृति का शास्त्रीय स्वरूप है, जिसमें युद्धनीति, गुप्तचर, कूटनीति और अर्थनीति का अद्भुत समन्वय मिलता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि भारतीय रणनीतिक संस्कृति की जड़ें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और चाणक्य नीति जैसे ग्रंथों में गहराई से स्थापित हैं। इन ग्रंथों ने यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्र की रणनीति केवल विजय प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि समाज और विश्व के कल्याण के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाभारत में श्रीकृष्ण द्वारा धर्म की स्थापना के लिए अपनाई गई कूटनीति हो या आचार्य चाणक्य का अर्थशास्त्र, दोनों ही यह संदेश देते हैं कि रणनीति का अंतिम लक्ष्य जनकल्याण है। इसी ज्ञान परंपरा पर महंत अवेद्यनाथ का पूरा जीवन आधारित था। संचालन महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य विवेक विश्वकर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। (विज्ञप्ति)।

---

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025 06

विजय शस्त्र से ही नहीं, आत्मबल पर भी निर्भर

एमपीपीजी

- ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की स्मृति में 7 दिवसीय व्याख्यान माला का दूसरा दिन
- डीडीयू के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य ने विषय विशेष पर रखे विचार

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। वेद और उपनिषद को देखें तो वो हमें बताते हैं कि वास्तविक विजय केवल शस्त्र से नहीं, बल्कि आत्मबल और संयम से होती है। अलग-अलग कालखंडों में रणनीतिक संस्कृति विभिन्न रूपों में देखी गई है। रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने धर्म और नीति पर आधारित रणनीति से आदर्श स्थापित किया।

ये बातें एमपी पीजी, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ महाराज को पावन स्मृति में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन डीडीयू के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बतौर मुख्य वक्ता कही।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित व्याख्यानमाला में मंचासीन अतिथि।

रणनीतिक संस्कृति में प्राथमिकता लोककल्याण-शांति

अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि भारतीय रणनीतिक संस्कृति की जड़ें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और चाणक्य नीति जैसे ग्रंथों में गहराई से स्थापित हैं। इन ग्रंथों ने यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्र की रणनीति केवल विजय प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि समाज और विश्व के कल्याण के लिए होनी चाहिए।

नारी शिक्षा के प्रबल पक्षधर थे महंत अवेद्यनाथ : प्रो. दीपक

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर स्थित गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी शिक्षा व महंत अवेद्यनाथ' विषय पर व्याख्यान गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता डीडीयू के हिंदी विभाग के प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ सामाजिक समरसता के अग्रदूत होने के साथ ही नारी शिक्षा के प्रबल पक्षधर भी थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अभिषेक पांडेय ने कहा कि नारी शिक्षा केवल परिवार के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। अध्यक्षता गोरक्षपीठ के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने की। स्वागत आचार्य बृजेश मणि मिश्र और आभार डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी ने किया।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan गोरखपुर, शनिवार, 23 अगस्त 2025 07

वैश्विक स्तर पर विकास का मॉडल बन सकता है यूपी

एमपी पीजी कॉलेज

गोरखपुर। बीते आठ वर्षों में प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के साथ जन कल्याण केंद्रित समग्र विकास को प्राथमिकता दी गई। पारदर्शी शासन प्रणाली को अपनाया गया। इससे प्रदेश में अभूतपूर्व परिवर्तन दिख रहा है। भविष्य में यूपी न केवल देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी विकास का आदर्श मॉडल बन सकता है। यह कहना है प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद भारत सरकार के सदस्य प्रो. केवी राजू का। वह शुक्रवार को जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यामाला के तीसरे दिन उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश विषय पर विचार व्यक्त कर रहे थे। अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। गंगा-यमुना की पावन धरती से लेकर अयोध्या, काशी और मथुरा की आस्था तक उत्तर प्रदेश ने देश की दिशा और दशा तय करने में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संचालन महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य विनय कुमार सिंह ने किया। मौके पर महाविद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

गोरखपुर, 23 अगस्त, 2025 दैनिक जागरण

उद्यमिता से नया आयाम पाएगा प्रदेश का विकास : प्रो . केवी राजू

जासं, गोरखपुर: प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य प्रो. केवी राजू ने कहा है कि प्रदेश में विकास को नई दिशा देने और सुशासन के माध्यम से जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लिया गया है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में कदम आगे बढ़ाया गया है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के रोजगार को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। यदि जनभागीदारी और पारदर्शी प्रशासन के साथ योजनाओं को लागू किया गया तो आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश न केवल जनसंख्या में, बल्कि विकास और प्रगति में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा। कृषि व उद्यमिता के माध्यम से प्रदेश का विकास नया आयाम पाएगा। प्रो. राजू शुक्रवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में चल रहे ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के तीसरे दिन 'उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। गंगा, यमुना और सरयू जैसी पावन नदियों की गोद में बसा यह प्रदेश संस्कृति, साहित्य, आध्यात्म और राजनीति का केंद्र रहा है। तुलसीदास, कबीर, महात्मा बुद्ध, रामकृष्ण परमहंस, डा. आंबेडकर, आचार्य नरेंद्र देव और अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विभूतियों ने इस भूमि को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तम प्रदेश का सपना तभी साकार होगा, जब शिक्षा सबके लिए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण होगी, किसान आत्मनिर्भर और खुशहाल होंगे, युवा रोजगार से परिपूर्ण होंगे, महिलाएं सुरक्षित और सशक्त होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी चुनौती जनसंख्या का दबाव है। लेकिन इन चुनौतियों के साथ अवसर भी हैं। उत्तर प्रदेश कृषि और उद्योग दोनों में संभावनाओं का विशाल प्रदेश है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य विनय कुमार सिंह ने किया।

महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला में प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य प्रो . केवी राजू, डा . प्रदीप कुमार राव व अन्य • सौ. एमपी कालेज

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, रविवार, 24 अगस्त 2025 04

भारतीय ज्ञान परंपरा से सुसज्जित होगी शिक्षा

व्याख्यानमाला

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के स्मृति में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन 'भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्रा ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारत का शैक्षिक इतिहास केवल शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह जीवन दृष्टि, संस्कार और समाज कल्याण का आधार रहा है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि इसी गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करने और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा की जड़ों से जुड़ी हुई है और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा को आकार देती है। बताया कि समय के साथ हमारी शिक्षा व्यवस्था में कई परिवर्तन हुए। संचालन मइतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ अर्चना गुप्ता ने किया। कॉलेज के सभी शिक्षक आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति में झलक रही है भारत की आत्मा व संस्कृति: भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दृष्टि समग्र विकास है। यह केवल नौकरीपरक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन मूल्यों, नैतिकता और जिम्मेदारी पर भी बल देती है। शिक्षा केवल 'रोजगार पाने का साधन' न रहकर, 'जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग' बनेगी।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन शनिवार को संबोधित करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

विहिम के ये होंगे कार्यक्रम

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर, राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि पर विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश 12 से 18 सितंबर तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। यह जानकारी विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने दी। 12 सितंबर को राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ को श्रद्धांजलि, 13 सितंबर को ॐ नमः शिवाय मंत्र जाप, 14 सितंबर को गो सेवा, 15 सितंबर को असहायों की मदद 16 सितंबर को धार्मिक स्थलों की सफाई, 17 सितंबर को संत सम्मान समारोह, 18 सितंबर को 11 दीप जलाकर महंत अवेद्यनाथ को कैलाश लोक विदाई।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 24 अगस्त, 2025

भारतीय ज्ञान परंपरा से सुसज्जित होगी शिक्षा : डा. अश्वनी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन 'भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' विषय पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता लखनऊ के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा . अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि भारत का शैक्षिक इतिहास केवल शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह जीवन दृष्टि, संस्कार और समाज कल्याण का आधार रहा है। उन्होंने बताया कि गुरुकुल परंपरा से लेकर तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविख्यात विश्वविद्यालयों तक, भारतीय शिक्षा प्रणाली ने न केवल ज्ञान–विज्ञान दिया, बल्कि चरित्र निर्माण और समाजोपयोगी जीवन जीने की प्रेरणा भी दी। डा . मिश्र ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा से शिक्षा सुसज्जित होगी, जिससे विश्व स्तरीय नागरिक तैयार होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि औपनिवेशिक काल में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाने तक सीमित हो गया था, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा का दिव्य स्वरूप शिक्षा से दूर होता चला गया। इसी कमी को पूरा करने और शिक्षा को फिर से भारतीय मूल्यों से जोड़ने का प्रयास ही नई शिक्षा नीति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा . विजय चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल नौकरीपरक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन मूल्यों, नैतिकता और जिम्मेदारी पर भी बल देती है। कार्यक्रम का संचालन डा . अर्चना गुप्ता ने किया।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 25 अगस्त, 2025

हर चमकने वाली औषधि हितकारी नहीं : डा. वी. रामानाथन

गोरखपुर : महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन 'आल दैट ग्लिटर इस डेफिनेटली नाट गाड इन इंडियन रसशास्त्र' विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में आइआइटी बीएचयू के रसायनशास्त्र विभाग के आचार्य डा . वी . रामानाथन ने अपने व्याख्यान की शुरुआत प्रसिद्ध वैज्ञानिक विलियम रामसे के कथन से की, जिसमें उन्होंने कहा था– 'जो देश रसायन विज्ञान में दुनिया से आगे होगा, वही धन समृद्धि में भी सबसे आगे रहेगा।' उन्होंने भारतीय इतिहास में रसायन विज्ञान और धातुकर्म की महती भूमिका को प्रमुखता दी। कहा कि हर चमकने वाली औषधि हितकारी नहीं होती। डा . रामानाथन ने बताया कि प्राचीन भारत में रसायन विज्ञान केवल रसायन की सीमाओं तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें धातुकर्म, पदार्थ विज्ञान और औषधि शास्त्र जैसे अनेक विषय शामिल थे। अथर्ववेद व अन्य प्राचीन ग्रंथों में स्वर्ण, चांदी, तांबा, लोहा जैसी कई धातुओं का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि मध्यकालीन भारतीय साहित्य में वर्णित रसायन शास्त्रीय विधियां पश्चिमी केमिस्टों की कल्पनाओं से भिन्न थीं। कार्यक्रम क अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की हिंदी विभाग की अध्यक्ष डा . आरती सिंह ने कहा कि रसशास्त्र एक ऐसा विषय है, जिसकी जड़ें भारतीय परंपरा में गहराई तक समाई हुई हैं। कार्यक्रम का संचालन डा . मनीष त्रिपाठी ने किया।

गोरखपुर, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025 07

महाविद्यालय में 30 को ऑनलाइन छात्र संघ चुनाव

गोरखपुर। भारतीय लोकतंत्र की प्राथमिक पाठशाला छात्र संघ चुनाव में नवाचार की अद्भुत झलक महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 30 अगस्त को देखने को मिलेगी। पूरी तरह से स्वदेशी सॉफ्टवेयर की मदद से ऑनलाइन मतदान के रूप में छात्रसंघ चुनाव होगा। चुनाव अधिकारी डॉ शिवकुमार बर्नवाल ने बताया कि छात्र संघ चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 29 अगस्त को कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव और अपराह्न तीन से 5 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री व पुस्तकालय मंत्री पद के लिए नामांकन होगा। 30 अगस्त को नाम वापसी होगा।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 27 अगस्त, 2025

भारत का शून्य विश्व गणित की आत्मा : रणविजय सिंह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को यदि केवल अध्यात्म और दर्शन तक सीमित मान लिया जाए तो यह हमारी ऐतिहासिक दृष्टि की संकीर्णता होगी। वास्तव में भारत वह भूमि रही है जहां न केवल आत्मा और परमात्मा पर विमर्श हुआ बल्कि संख्याओं के रहस्य और आकाशगंगा की गति पर भी सूक्ष्मतम अध्ययन हुआ। भारत का शून्य विश्व गणित की आत्मा है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य परिचालन प्रबंधक रणविजय सिंह ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा की सबसे महान देन है शून्य और दशमलव प्रणाली। आर्यभट और ब्रह्मगुप्त जैसे महर्षियों ने इसे परिभाषित किया और आज आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक इसकी नींव पर ही पूरी संरचना खड़ी है। यह गर्व का विषय है कि जिसे पश्चिम ने गणित की क्रांति कहा, उसका बीज भारतभूमि में हजारों वर्ष पूर्व रोपा गया था। अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. विजय चौधरी ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म और दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गणित और खगोलशास्त्र में भी उसने विश्व को अद्वितीय योगदान दिया। संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव, ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमपीपीजी में आयोजित व्याख्यानमाला में मंच पर उपस्थित अतिथि • सौ स्वयं

संतुलित जीवनशैली की प्रेरणा देती है भारतीय ज्ञान परंपरा

गोरखपुर : वैदिक काल का वैज्ञानिक ज्ञान भारत की सांस्कृतिक पहचान है। यह ज्ञान आध्यात्मिक पक्ष को भी वैश्विक पटल पर स्थापित कर मानवीय सभ्यता को संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा प्रदान करता है। यह बातें वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व उपनिदेशक डा. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कही। वह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा : एक महान विरासत' विषय पर आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के चौथे स्थापना दिवस, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित किया गया था। डा. श्रीवास्तव ने कहा कि आज आवश्यकता है कि ऐसे गौरवशाली धरोहर को आधुनिक संदर्भ में पुनर्परिभाषित करें। उसे संरक्षित, संवर्धित और प्रचारित करें। ताकि यह ज्ञान परंपरा आने वाली पीढ़ियों के लिए वरदान बन सके। भारत, एक प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा वाला देश है। इसकी जड़ें हजारों वर्षों पूर्व की सभ्यताओं में गहराई तक फैली हुई है। यहां की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली न केवल भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है, बल्कि यह मानवता को प्रकृति, जीवन और ब्रह्मांड के साथ संतुलन में रहने की शिक्षा भी देती है। अध्यक्षीय संबोधन में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान और आयुर्वेद का अद्भुत समन्वय रहा है। संपूर्ण विश्व ने भारत की औषधियों से निरोगी काया का मूल रहस्य सीखा है। स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन सृष्टि यदुवंशी व धन्यवाद ज्ञापन डा. प्रेरणा अदिति ने किया। – (विज्ञप्ति)

हिन्दुस्तान ww

शनिवार, 30 अगस्त 2025 05

एमपी पीजी में छात्रसंघ चुनाव आज होगा

गोरखपुर। महाराणा प्रताप कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव का मतदान शनिवार को सायं 5 बजे से ऑनलाइन मोड पर होगा। चुनाव अधिकारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद पर प्रियांश शर्मा एवं अभिनव सिंह ने पर्चा भरा। उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक मिश्रा, आशीष कुशवाहा एवं मनीष कुमार ने पर्चा दाखिल किया। महामंत्री पद पर विक्रांत सिंह एवं रितुराज सिंह तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर अंशिका सिंह एवं रूबी सिंह ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। बताया कि प्रत्याशियों द्वारा भरे हुए पर्चों की वापसी 30 अगस्त को प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक की जा सकती है। उसके बाद पर्चे की जांच कर वैध प्रत्याशियों की सूची पूर्वाह्न 11:30 बजे प्रकाशित कर दी जायेगी।

दैनिक जागरण गोरखपुर, गोरखपुर, शनिवार, 30 अगस्त, 2025

एमपी कालेज में आज आनलाइन मोड में होगा छात्रसंघ चुनाव

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में शनिवार को आनलाइन मोड में छात्रसंघ चुनाव होगा। इसकी पूरी तैयारी हो गई है। चुनाव अधिकारी डा. शिव कुमार बर्नवाल ने चुनाव प्रक्रिया संबंधी जानकारी शुक्रवार को जारी कर दी है। प्रत्याशियों की पर्चा भरने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अध्यक्ष, महामंत्री व पुस्तकालय मंत्री पद के लिए दो-दो विद्यार्थियों ने पर्चा दाखिल किया है। उपाध्यक्ष के लिए तीन विद्यार्थियों का पर्चा भरा है।

चुनाव अधिकारी ने बताया कि शनिवार को सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पर्चा वापसी का समय दिया गया है। उसके बाद पर्चों की वैधता की जांच की जाएगी और वैध प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी जाएगी। मतदान शनिवार की शाम पांच से शुरू होगा और रात आठ बजे तक चलेगा। मतदान पूरी तरह आनलाइन मोड में होगा। रात नौ बजे मतगणना के बाद परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर प्रियांश वर्मा व अभिनव सिंह ने पर्चा दाखिल किया है। उपाध्यक्ष पद के लिए अभिषेक मिश्रा, आशीष कुशवाहा और मनीष कुमार ने पर्चा भरा है। महामंत्री पद के लिए विक्रांत सिंह व ऋतुराज सिंह और पुस्तकालय मंत्री के अंशिका सिंह और रुबी सिंह ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। चुनाव अधिकारी ने ताया कि कुल 25 विषयों के 67 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संपन्न हो गया है। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी की प्रत्याशिता आरोप सिद्ध होने पर तत्काल समाप्त कर दी जाएगी।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के छात्रसंघ चुनाव में पर्चा दाखिल करते विद्यार्थी • कालेज प्रबंधन

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025

अभिनव सिंह अध्यक्ष और विक्रांत सिंह चुने गए महामंत्री

छात्रसंघ चुनाव

जासं, गोरखपुर : महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में शनिवार को छात्रसंघ चुनाव संपन्न हो गया। देर रात घोषित परिणाम के अनुसार अभिनव सिंह अध्यक्ष और विक्रांत सिंह महामंत्री चुने गए। अभिषेक मिश्र को उपाध्यक्ष चुने जाने में सफलता मिली। अंशिका सिंह पुस्तकालय मंत्री चुनी गईं। चुनाव में कुल 1,689 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 1,417 यानी लगभग 83.90 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

कालेज के छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डा. शिवकुमार बर्नवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद पर आमने-सामने की लड़ाई में अभिनव सिंह 918 मत पाकर विजयी घोषित हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रियांश शर्मा को 679 मत मिले। इस तरह अभिनव ने 39 वोटों से जीत हासिल की। उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक मिश्र 490 वोट पाकर विजेता बने। इस पद के लिए आशीष कुशवाहा को 466 व मनीष कुमार को 432 मत मिले। अभिषेक मिश्र ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आशीष कुशवाहा को 24 वोटों से पराजित किया। महामंत्री पद पर आमने-सामने के मुकाबले में विक्रांत सिंह 775 मत पाकर विजयी हुए। दूसरे प्रत्याशी ऋतुराज सिंह को 615 मत मिले। विक्रांत सिंह ने 160 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। पुस्तकालय मंत्री पद पर अंशिका सिंह और रूबी सिंह के बीच मुकाबला था। इसमें अंशिका सिंह ने 719 मत पाकर जीत हासिल की। रूबी सिंह को 674 मत मिले। इससे पहले सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पर्चा वापस लेने का समय तय किया गया था। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम पांच से रात आठ बजे तक मतदान हुआ। देर रात चुनाव परिणाम जारी किया गया।

अभिनव सिंह

विक्रांत सिंह

अभिषेक मिश्र

अंशिका सिंह

नोटा पर भी डाला वोट

चुनाव में मतदाताओं ने नोटा के विकल्प पर भी वोट दिया। सभी पदों पर नोटा को मत पड़े। अध्यक्ष पद पर 20, उपाध्यक्ष पद पर 29, महामंत्री पद पर 27 और पुस्तकालय मंत्री पद पर 24 मत नोटा पर पड़े। कुल 272 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, रविवार, 31 अगस्त 2025 05

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हुआ संपन्न

अभिनव सिंह बने अध्यक्ष अभिषेक मिश्र उपाध्यक्ष

जिम्मेदारी

अभिनव सिंह अध्यक्ष

अभिषेक मिश्र उपाध्यक्ष

विक्रांत सिंह महामंत्री

अंशिका सिंह पुस्तकालय मंत्री

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में स्वदेशी ऑनलाइन सॉफ्टवेयर की मदद से शनिवार को छात्रसंघ चुनाव संपन्न हुआ। अध्यक्ष के रूप में अभिनव सिंह, उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्र, महामंत्री विक्रांत सिंह और पुस्तकालय मंत्री अंशिका सिंह चुनी गईं। चुनाव में 1689 मतदाताओं के सापेक्ष 1417 ने मताधिकार का प्रयोग किया। 83.90 प्रतिशत विद्यार्थी चुनाव में अपने वोट देने आगे आए।

कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद पर अभिनव सिंह ने 718 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंदी प्रियांश शर्मा को 39 वोटों से हराकर जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक मिश्र को 490 वोट मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी आशीष कुशवाहा को 466 वोट मिले। अभिषेक मिश्र ने 24 वोटों से जीत हासिल की। महामंत्री पद पर विक्रांत सिंह 775 मत पाकर ऋतुराज सिंह 160 वोटों से हराया। पुस्तकालय मंत्री पद पर दो छात्राओं अंशिका सिंह और रूबी सिंह के बीच मुकाबला रहा। अंशिका ने 719 मत पाकर रूबी सिंह को 45 मतों से हराकर जीत दर्ज की। इससे पहले सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पर्चे वापस लेने का समय तय था, लेकिन किसी ने भी पर्चा वापस नहीं लिया। जांच में सभी पर्चे वैध पाए गए। शाम पांच से रात आठ बजे तक मतदान हुआ। देर रात चुनाव परिणाम जारी किए गए।

विद्यार्थियों ने किया नोटा का प्रयोग

छात्र संघ चुनाव में विद्यार्थियों ने नोटा का प्रयोग किया है। सभी पदों पर नोटा को मत पड़े। अध्यक्ष पद पर 20, उपाध्यक्ष 29, महामंत्री 27 और पुस्तकालय मंत्री पद पर 24 मत नोटा को मिले। कुल 272 विद्यार्थियों ने अपने मत का प्रयोग नहीं किया।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन "ध्येय पथ" नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में अगस्त माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर